



e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 12, Issue 4, April 2023

ISSN INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA

Impact Factor: 8.423

 9940 572 462

 6381 907 438

 ijirset@gmail.com

 www.ijirset.com

नोहर तहसील (जिला हनुमानगढ़) में जनसंख्या के व्यावसायिक संघटन का अध्ययन

ध्रुव पूनिया : शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरु (राजस्थान)

डॉ. एम. एम. शेख : सह-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरु (राजस्थान)

सारांश

जनसंख्या किसी भी क्षेत्र के विकास हेतु एक अतिमहत्वपूर्ण संसाधन होती है तथा जनसांख्यिकी मानव जनसंख्या का सांख्यिकीय अध्ययन है। यह एक बहुत सामान्य विज्ञान हो सकता है जिसे किसी भी तरह की गतिशील मानव आबादी पर लागू किया जा सकता है, अर्थात् ऐसी आबादी जो समय और स्थान के साथ-साथ परिवर्तित होती है। इसमें जनसंख्या के आकार, संरचना और वितरण और जन्म, प्रवास, वृद्धि और मृत्यु के सन्दर्भ में स्थानिक और कालिक परिवर्तन का अध्ययन शामिल होता है। जनसांख्यिकीय विश्लेषण को शिक्षा, राष्ट्रीयता, धर्म और जातीयता जैसे मानदंडों के आधार पर विभाजित पूरे समाज पर या समूहों पर लागू किया जा सकता है। शिक्षण क्षेत्र में, जनसांख्यिकी को अक्सर समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र अथवा मानव-विज्ञान की एक शाखा के रूप में माना जाता है। औपचारिक जनसांख्यिकी के अध्ययन का लक्ष्य, जनसंख्या की प्रक्रियाओं के मापन तक सीमित है, जबकि सामाजिक जनसांख्यिकी जनसंख्या अध्ययन का अधिक व्यापक क्षेत्र, एक जनसंख्या को प्रभावित करने वाले आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जैविक प्रक्रियाओं के बीच संबंधों का विश्लेषण करता है। व्यावसायिक संघटन का अर्थ किसी व्यक्ति के खेती, विनिर्माण व्यापार, सेवाओं अथवा किसी भी प्रकार की व्यावसायिक क्रियाओं में लगे होने से है जिससे उससे आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। आर्थिक स्तर की दृष्टि से भारत की जनसंख्या को तीन वर्गों में बाँटा जाता है, जिनके नाम हैं- मुख्य श्रमिक, सीमांत श्रमिक और अश्रमिक। प्रस्तुत शोध-पत्र में हनुमानगढ़ जिले की नोहर तहसील में विभिन्न आर्थिक क्रियाकलापों में संलग्न जनसंख्या का व्यवसायानुसार अध्ययन प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है जिसके अंतर्गत तहसील में कुल जनसंख्या में कृषक, कृषि श्रमिक, घरेलू औद्योगिक श्रमिक एवं अन्य प्रकार के कार्यों में संलग्न श्रमिकों के प्रतिशत का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।

मूल बिंदु : व्यावसायिक संघटन, सामाजिक जनसांख्यिकी, कृषि श्रमिक, आर्थिक क्रियाएँ

परिचय :

अपने विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु तथा अपने जीवन यापन करने के लिए जनसमुदाय विभिन्न प्रकार के कार्यों में संलग्न रहता है वस्तुतः इसे ही जनसंख्या का व्यावसायिक संगठन कहा जाता है। सन् 2001 की जनगणना ने भारत की श्रमजीवी जनसंख्या को चार प्रमुख संवर्गों में बाँटा है, यथा काश्तकार, (कृषक), खेतिहर मजदूरी करने वाले, परिवारिक उद्योगों में कार्यरत एवं अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या। भारत की जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन का अध्ययन करने से पता चलता है कि यहाँ द्वितीयक और तृतीयक सेक्टरों की अपेक्षा प्राथमिक सेक्टर में लगे श्रमिकों की संख्या अधिक है। कुल श्रमजीवी जनसंख्या का लगभग 58.2 प्रतिशत कृषक व कृषि मजदूर हैं। जबकि केवल 4.2 प्रतिशत श्रमिक घरेलू उद्योगों में लगे हैं तथा 37.6 प्रतिशत अन्य श्रमिक हैं जो गैर-घरेलू उद्योगों, व्यापार, वाणिज्य, विनिर्माण, मरम्मत व अन्य सेवाओं में कार्यरत हैं। देश में पुरुष श्रमिकों की संख्या स्त्री श्रमिकों की संख्या से तीनों सेक्टरों में अधिक है। महिला श्रमिकों की संख्या प्राथमिक सेक्टर में अपेक्षाकृत अधिक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पिछले कुछ दशकों में भारत में कृषि सेक्टर के श्रमिकों के अनुपात में गिरावट दर्ज की जा रही है तथा द्वितीयक व तृतीयक सेक्टर में सहभागिता दर बढ़ी है। देश के विभिन्न सेक्टरों में श्रम सहभागिता दर में स्थानिक भिन्नता भी देखने को मिलती है, जैसे हिमाचल प्रदेश व नागालैंड में कृषकों की संख्या अधिक है, वहीं आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखंड, पश्चिम बंगाल तथा मध्य प्रदेश में कृषि मजदूरों की संख्या अधिक है। जबकि नगरीकृत क्षेत्रों में श्रमिकों का बहुत बड़ा अनुपात अन्य सेवाओं में संलग्न है। भारत में द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र की अपेक्षा प्राथमिक क्षेत्र में अधिक श्रमिक कार्यरत हैं।

उद्देश्य :

प्रस्तुत शोध-पत्र के निम्न उद्देश्य हैं—

- नोहर तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन का विश्लेषण करना।
- तहसील में कुल जनसंख्या में कृषि कार्यों में संलग्न जनसंख्या के प्रतिशत का विश्लेषण करना।
- तहसील में कुल जनसंख्या में कृषि श्रमिकों के प्रतिशत का विश्लेषण करना।
- अन्य प्रकार के कार्यों में संलग्न जनसंख्या के प्रतिशत का विश्लेषण करना।

आंकड़ों के स्रोत :

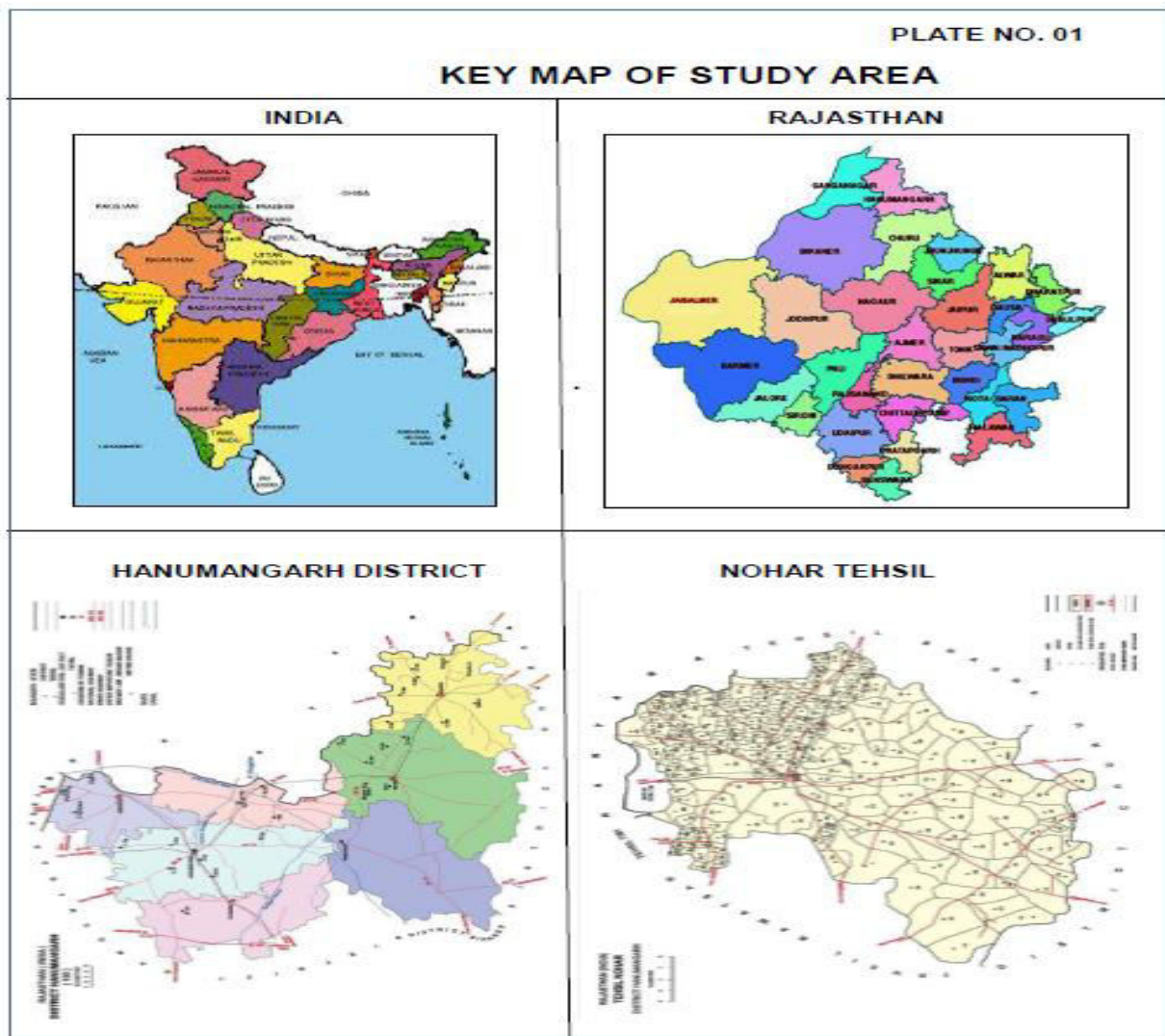
प्रस्तुत शोध पत्र द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है। द्वितीयक आंकड़ों का संग्रहण विभिन्न प्रकार की सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रकाशित रेपोर्ट्स, पुस्तकों आदि के माध्यम से किया गया है। इस हेतु जिले के विभिन्न कार्यालयों यथा, सांख्यिकीय कार्यालय, जिला हनुमानगढ़, विभिन्न तहसील कार्यालय, नोहर आदि के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया है। आवश्यकता अनुरूप ऑनलाइन स्रोतों से भी नोहर तहसील से संबन्धित सूचनाओं का संकलन कर शोध-पत्र लेखन में सहायता ली गयी है।

साहित्य पुनरावलोकन :

1. Mohammed I. H. (2005) “Population Geography” – इस पुस्तक में लेखक ने जनसंख्या से जुड़े भौगोलिक आंकड़ें चयनित रूप से देने का प्रयास किया है। जिसमें आयु, लिंगानुपात, साक्षरता, वैवाहिक स्तर, जन्म-मृत्यु एवं पलायन को शामिल किया है। प्रत्येक विषय पर चर्चा पृथक रूप से वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखकर की गई है और भारत के साथ इसका सहसम्बन्ध करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक को 2 अध्यायों में विभाजित किया गया है। जिनके नाम क्रमशः जनसंख्या नीतियां एवं जनसंख्या विकास है।
2. Allan M. Findlay (2007) “Population Geography” – इस पुस्तक में लेखक का प्रमुख उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को जनसंख्या भूगोल के परिचित करवाना है। जनसंख्या का अध्ययन एक बहुआयामी अध्ययन है। इसीलिए लेखक द्वारा पुस्तक में जनसंख्या सम्बन्धी समस्त संकल्पनाओं को काफी बेहतर तरीके से विश्लेषित किया गया है। इससे विभिन्न सांख्यिकी विधियों का उपयोग करते हुए पुस्तक को और अधिक रुचिकर बनाने का प्रयास किया गया है।
3. S. A. Qazi and Shabir (2009) “Qazi Population Geography” – यह पुस्तक 14 अध्यायों में विभाजित है। इस पुस्तक में लेखक का उद्देश्य वर्तमान समय में जनसंख्या के बीच वृहत अन्तर को समझात हुए बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न विभिन्न समस्याओं को विश्लेषित कर उनके समाधान हेतु उपाय खोजना है। लेखक स्वयं जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक एवं स्थानिक तथ्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता महसूस करता है। इस पुस्तक में लेखक ने जनसंख्या प्रवृत्ति को नवीन तरीके से समझाने का प्रयास किया है।
4. घोष बी. एन. (2012) ने अपनी पुस्तक फंडामेंटल ऑफ़ पापुलेशन ज्योग्राफी में शहरों में प्रदूषण बढ़ने का कारण जनसंख्या को मना है इसके अध्ययन के अनुसार क्षेत्र में जनसंख्या बढ़ने पर खाद्यान की समस्या आती है एवं पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ता है।

अध्ययन क्षेत्र :

अध्ययन क्षेत्र नोहर तहसील थार के मरूस्थल में राजस्थान राज्य के उत्तरी भाग में हनुमानगढ़ जिले का भाग है। यह तहसील जिले के दक्षिणी पूर्वी भाग पर स्थित है जो अवस्थिति की दृष्टि से जिले की समस्त 07 तहसीलों में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अवस्थिति एवं विस्तार के संदर्भ में देखें तो यह तहसील 29 डिग्री 18 मिनट उत्तरी अक्षांशों से 74 डिग्री 77 मिनट पूर्वी देशान्तरों के मध्य अवस्थित है तथा मानक समुद्रतल से यहाँ की ऊंचाई 186 मीटर है। यह तहसील जिला मुख्यालय हनुमानगढ़ से 75 किलोमीटर एवं राजधानी जयपुर से 319 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। यह तहसील उत्तर पश्चिम दिशा में जिले की टिब्बी तहसील, पूर्वी दिशा में भादरा तहसील, पश्चिमी दिशा में रावतसर तहसील, दक्षिणी दिशा में चूरु जिले की तारानगर तहसील तथा उत्तरी दिशा में हरियाणा राज्य सिरसा जिले द्वारा पूर्णरूपेण सीमांकित है।



व्यवसायों के अनुसार जनसँख्या का वितरण :

नोहर तहसील में व्यवसाय के अनुसार जनसँख्या का वर्गीकरण निम्न चार श्रेणियों के अंतर्गत किया जा सकता है—

काश्तकार :

नोहर तहसील में काश्तकारी का कार्य प्रमुखता से किया जाता है। तहसील में काश्तकारी के व्यवसाय में संलग्न जनसँख्या के आंकड़ों को देखें तो तालिका संख्या 2.13 के अध्ययन से ज्ञात होता है की तहसील में वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार तहसील में काश्तकारी में संलग्न कुल लोगों की संख्या 83749 है। इसी प्रकार काश्तकारी में संलग्न जनसँख्या को ग्रामीण एवं नगरीय जनसँख्या के संदर्भ में देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की नोहर तहसील में ग्रामीण क्षेत्रों में काश्तकारी में संलग्न कुल पुरुषों की संख्या 46386 है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियों की संख्या 36665 है। इसी प्रकार तहसील में नगरीय क्षेत्रों में काश्तकारी में संलग्न पुरुषों की कुल संख्या 584 है जबकि नगरीय क्षेत्रों में कुल 114 स्त्रियाँ काश्तकारी के कार्य में संलग्न है।

खेतिहर मजदूर :

काश्तकारी के पश्चात ग्रामीण क्षेत्रों में खेतिहर मजदूरी का कार्य जनसमुदाय द्वारा प्रमुखता से किया जाता है अर्थात नोहर तहसील की जनसँख्या के द्वारा किया जाने वाला यह दूसरा महत्वपूर्ण कार्य है। नोहर तहसील में खेतिहर मजदूरी के कार्य में संलग्न लोगों की संख्या के आंकड़ों को देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होजाता है की वर्ष 2011 के आंकड़ों के अनुसार तहसील में खेतिहर मजदूरी के कार्य में संलग्न कुल पुरुषों की संख्या 10176 थी जबकि स्त्रियों की संख्या 9161 थी। इस प्रकार स्पष्ट होजाता है की तहसील में खेतिहर मजदूरी के कार्य में संलग्न पुरुषों एवं स्त्रियों की संख्या में कोई विशेष अंतर देखने को नहीं मिलता है। तालिका के अध्ययन से यह भी स्पष्ट हो जाता है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में खेतिहर मजदूरी करने वाले पुरुषों की कुल संख्या 9852 है जबकि नगरीय क्षेत्रों में यह संख्या केवल 324 है। इसी प्रकार यदि इस संख्या को स्त्रियों के संदर्भ में देखें तो हम पाते हैं की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 9071 स्त्रियाँ खेतिहर मजदूरी का कार्य करती हैं जबकि नगरीय क्षेत्रों में यह संख्या केवल 90 ही पायी गयी है।

क्षेत्र	काश्तकार		खेतीहर मजदूर		परिवारिक उद्योग		अन्य कार्य करने वाले	
	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री
ग्रामीण	46386	36665	9852	9071	595	7258	17196	11160
नगरीय	584	114	324	90	431	173	12098	1285
योग	46970	36779	10176	9161	1026	898	29294	12445

स्रोत : ब्लॉक सांख्यिकीय रूपरेखा, नोहर, 2021

पारिवारिक उद्योगों में कार्यरत :

उपरोक्त दो प्रकार के कार्यों के अलावा तहसील में तीसरा प्रमुख वर्ग ऐसे व्यक्तियों का है जो अपने परंपरागत एवं पारिवारिक चले आ रहे उद्योगों में कार्यरत हैं। नोहर तहसील में इस प्रकार के कार्य में संलग्न जनसंख्या के आंकड़ों को देखे तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2011 के आंकड़ों अनुसार तहसील में इस प्रकार के पारिवारिक उद्योगों में संलग्न कुल पुरुषों की संख्या 1026 पायी गयी है जबकि इस संदर्भ में स्त्रियों की संख्या 898 पायी गयी है। इसी प्रकार इस संख्या को यदि तहसील के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के संदर्भ में देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है कि तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में पारिवारिक उद्योगों में कार्यरत कुल पुरुषों की संख्या 595 पायी गयी है जबकि तहसील के नगरीय क्षेत्रों में यह संख्या 431 पायी गयी है। इसके विपरीत तहसील में पारिवारिक उद्योगों में संलग्न स्त्रियों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक पायी गयी है। तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है कि तहसील में ग्रामीण क्षेत्रों में इस व्यवसाय में संलग्न स्त्रियों की संख्या 7258 पायी गयी है जो की इस क्षेत्र में पुरुषों की संख्या से काफी अधिक है, जबकि नगरीय क्षेत्रों में यह संख्या केवल 173 पायी गयी है।

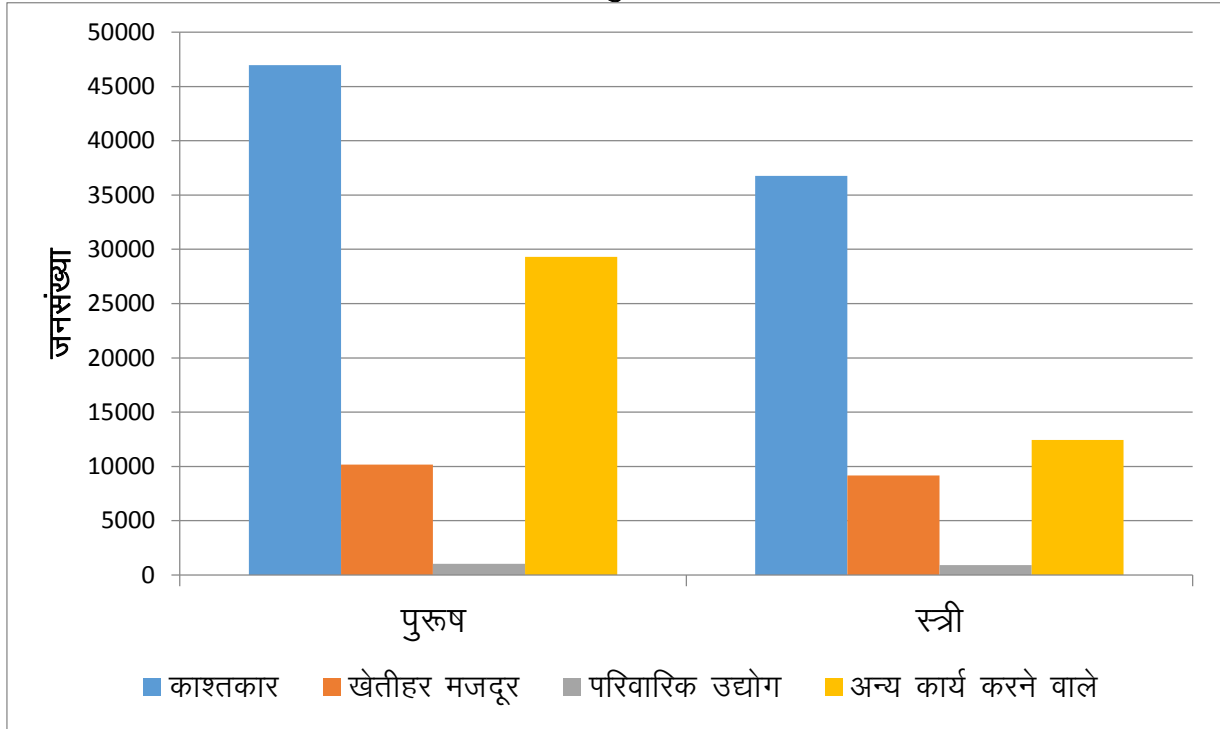
तालिका संख्या 02

नोहर तहसील में व्यवसायानुसार जनसंख्या का वितरण-2011 (प्रतिशत में)

क्षेत्र	काश्तकार		खेतीहर मजदूर		परिवारिक उद्योग		अन्य कार्य करने वाले	
	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री
ग्रामीण	62.66	63.63	13.31	15.74	0.80	1.26	23.23	19.37
नगरीय	4.35	6.86	2.41	5.42	3.21	10.41	90.03	77.32
योग	53.70	62.04	11.63	15.45	1.17	1.51	33.49	20.99

स्रोत : ब्लॉक सांख्यिकीय रूपरेखा, नोहर, 2021

नोहर तहसील में व्यवसायानुसार जनसंख्या का वितरण-2011



अन्य कार्य करने वाले :

उपरोक्त तीनों प्रकार के कार्यों को छोड़कर बाकी अन्य प्रकार के कार्य करने वाले जनसमूह को इस वर्ग के अंतर्गत रखा गया है। प्राप्त आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो ज्ञात होता है की नोहर तहसील में अन्य कार्य करने वाले कुल पुरुषों की संख्या 29294 पायी गयी है, जबकि तहसील में कुल 12445 स्त्रियाँ अन्य प्रकार के कार्यों में संलग्न पायी गयी है। यदि इन आंकड़ों को तहसील के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के संदर्भ में विश्लेषित करें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के कार्य में संलग्न कुल पुरुषों की संख्या 17196 पायी गयी है जबकि तहसील के नगरीय क्षेत्रों में यह संख्या 12098 पायी गयी है। इसी प्रकार अन्य कार्य करने वाली स्त्रियों की संख्या को देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य कार्यों में संलग्न स्त्रियों की कुल संख्या 11160 पायी गयी है जबकि तहसील के नगरीय क्षेत्रों में यह संख्या 1285 पायी गयी है।

निष्कर्ष :

उपरोक्त अध्ययन के उपरांत यह ज्ञात होता है की नोहर तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन में क्षेत्र के अनुरूप भिन्नता देखने को मिलती है। विभिन्न आर्थिक क्रियाओं के आधार पर तहसील की जनसंख्या का विश्लेषण करने पर ज्ञात हुआ है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में काश्तकारों की संख्या सर्वाधिक पायी गयी है जबकि नगरीय क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत अधिक पाया गया है। तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन के संदर्भ में एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह भी ज्ञात हुआ है की सभी प्रकार की आर्थिक क्रियाओं में तहसील में कार्यशील स्त्रियों का सर्वाधिक प्रतिशत भी तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में पाया गया है एवं नगरीय क्षेत्रों में यह प्रतिशत काफी कम पाया गया है।

References:

1. Census Handbook, Hanumangarh District.
2. Central Groundwater Board (1995): Groundwater Resources of India, New Delhi, Flood Risk Zoning Using Satellite Based Remote Sensing, Ministry of Water Resources, New Delhi, 2002.
3. Hanumangarh District Gazzetier.
4. <https://agriculture.rajasthan.gov.in/content/agriculture/en/Agriculture-Department-dep.html>
5. <https://hi.wikipedia.org/wiki>
6. Jetske A, Bauma and Christopher A. Scott (2006) : “The possibilities for dryland crop yield improvement in India’s Semi arid regions observations from the field” International water management institute Colombo, Sri Lanka CA Case Study 3.
7. Jha, H.A. (2001) “Peasant’s view of peasant life and its categories” Indian social science review 3 (1) : 101
8. Khan Y. (1994) “Relationship between rainfall and bazra yield in Rajasthan” Geographical aspects 4:70
9. Kurhekar, J.V. (2004) : “Comparative study of soils with reference to the effect of agro-chemicals: A case study Indian Journal of Environment and Ecoplaning, 8 (3) : 753-756
10. Sharma, K.K. (1972) : District Gazetteer Sri Ganganagar District, Jaipur. Districts Gazetteer of Rajasthan.
11. Singh Jasbir (1974-75) An Agricultural Atlas of India : A Geographical Analysis Visual publication, Kurukshetra (Haryana- India) P-74
12. Stamp. LD. (1960) : Applied Geography, Penguin Books London. P-51
13. Statistical Abstract of Nohar Tehsil, 2021
14. Statistical Abstract of Hanumanharh District , 2021



INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor: 8.423



ISSN INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA



INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com



www.ijirset.com

Scan to save the contact details